

ikp fno l h; ¼27&31 t uojh 2020½ Ñ"kd Áf'k{k.k dk;|Øe p l e f d r Ñf"k Á.kk y hß

Nf"k foKku dUn: cDIj (भारतीय कृषि अनुसंधान परिसर का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना) के लालगंज, बक्सर परिसर में , l0t0oh0,u0 QkmUM'ku द्वारा प्रायोजित पाँच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम (27-31 जनवरी 2020) विषय "समेकित कृषि प्रणाली" का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। दिनांक 27-जनवरी-2020 (सोमवार) को केन्द्र के प्रभारी प्रमुख एवं इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के पाठ्यक्रम समन्वयक श्री रामकेवल, केन्द्र के विषय वस्तु विशेषज्ञ डॉ० देवकरन (मृदा विज्ञान), श्री हरिगोबिंद (पादप प्रजनन) एवं (सस्य विज्ञान) डॉ० मान्धाता सिंह द्वारा संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्ज्वलित कर इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में 50 किसानों के लिए कुल 20 सैद्धांतिक एवं 01 व्यवहारिक कक्षाओं का आयोजन किया गया।



• ÁFke fno l ¼27&t uojh&2020½½

प्रशिक्षणार्थियों को समेकित कृषि प्रणाली अन्तर्गत "सब्जी फसलों का चयन, प्रबंधन एवं बीजोत्पादन", "आय अर्जन के अन्य स्रोत", "फसलों, फलदार वृक्षों एवं सब्जियों में पोषकतत्व प्रबंधन" तथा "सब्जी एवं फल उत्पादन द्वारा आय अर्जन" विषयों पर आयोजित सैद्धांतिक कक्षाओं में केन्द्र के क्रमशः श्री हरिगोबिंद, डॉ० मान्धाता सिंह तथा डॉ० देवकरन द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।



• f}rh; fno l ¼28&t uojh&2020½½

"मशरूम उत्पादन द्वारा आय अर्जन", "मधुमक्खी पालन द्वारा आय अर्जन", "समेकित कृषि प्रणाली में उद्यमिता विकास" तथा "पशुओं के लिए वर्ष भर चारा उत्पादन एवं प्रबंधन" विषयों पर आयोजित सैद्धांतिक कक्षाओं में केन्द्र के श्री रामकेवल, मो० अफरोज सुल्तान द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को विषयवार विस्तृत



जानकारी प्रदान की गई।

- **29th Nov 2020**

“केंचुओं खाद उत्पादन तकनीकी एवं प्रयोग”, “समेकित कृषि प्रणाली: सफलता की कहानी” एवं “फसलों में खरपतवार प्रबंधन” विषयों पर सैद्धांतिक कक्षा तथा व्यावहारिक कक्षा (प्रक्षेत्र भ्रमण) का आयोजन किया गया जिसमें केन्द्र के डॉ० देवकरन, डॉ० मान्धाता सिंह एवं श्री आरिफ परवेज द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को विषयवार विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।



- **30th Nov 2020**

“पशुपालन का महत्व”, “पशुओं में लगनेवाले बीमारियों की पहचान, उपचार व निदान”, “समेकित कृषि प्रणाली में विभिन्न उद्यमों का आर्थिक विश्लेषण” तथा “समेकित कृषि प्रणाली का महत्व” विषयों पर आयोजित सैद्धांतिक कक्षाओं के लिए भा० कृ० अनु० प० का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना से आये वैज्ञानिक डॉ० संजीव कुमार एवं डॉ० पंकज द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को विषयवार विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।



- **31st Nov 2020**

प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतिम दिवस “मत्स्य पालन एवं प्रबंधन”, “मछलियों के रोग, बीमारियाँ एवं प्रबंधन”, “बकरीपालन एवं प्रबंधन” तथा “बत्तखपालन व मुर्गीपालन” विषयों पर आयोजित सैद्धांतिक कक्षाओं में केन्द्र के श्री रामकेवल, डॉ० मान्धाता सिंह, डॉ० देवकरन, कृषि विज्ञान केन्द्र आरा के वरीय वैज्ञानिक सह प्रमुख डॉ० पी० के० द्विवेदी एवं वीरकूँवर सिंह कृषि महाविद्यालय के डॉ० प्रणव पाण्डेय द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को विषयवार विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।



समापन समारोह में प्रशिक्षणार्थियों को एस० जे० वी० एन० फाउन्डेशन की ओर से ए० जी० एम० (सतर्कता) श्री मनोज कुमार द्वारा मशरूम स्पॉन, कृषियंत्र रेकर (घास-फूस हटाने में उपयोगी) एवं प्रशिक्षण प्रमाणपत्र का वितरण किया गया। प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि फाउन्डेशन द्वारा प्रायोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य चौसा में बन रहे थर्मल पावर से

प्रभावित खेतिहर किसानों को कम भूमि में कृषि से प्रति इकाई अधिकतम लाभ तथा रोजगार सृजन कराना है। एस0जे0वी0एन0 फाउन्डेशन की ओर से श्री कुलदीप राज, वरीष्ठ प्रबंधक (एच0आर0), श्री मुकुल तिकी, जी0एम0 (एच0आर0), श्री विभूति कुमार, श्री हर्षित गुप्त, आदि द्वारा निरंतर सहयोग प्राप्त हुआ।



प्रशिक्षण के अंतिम दिन समापन समारोह के मुख्य अतिथि श्री मनोज कुमार, ए0जी0एम0 (सतर्कता), एस0जे0वी0एन0 फाउन्डेशन थे। इस प्रकार पाँच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।



हिन्दुस्तान

www.livehindustan.com

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

शनिवार, 01 फरवरी 2020, पटना, माघ शुक्ल पक्ष सप्तमी, विक्रम संवत् 2076, पांच प्रदेश, 21 संस्करण

बक्सर हिन्दुस्तान पटना • शनिवार • 01 फरवरी 2020 • 04

कृषि विज्ञान केंद्र में समेकित कृषि प्रणाली पर आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

मधुमक्खी व मत्स्य पालन को बनाएं आय का स्रोत

बक्सर | हिन्दुस्तान संवाददाता

कृषि विज्ञान केंद्र, लालगंज में समेकित कृषि प्रणाली विषय पर आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन शुक्रवार को हो गया। समापन के रोज मौजूद किसानों को मत्स्य पालन एवं प्रबंधन, मछलियों में होने वाले रोग की पहचान व प्रबंधन, बकरी पालन, बत्खपालन एवं मुर्गी पालन एवं प्रबंधन की जानकारी दी गई।

केन्द्र के प्रभारी प्रमुख रामकेवल ने प्रशिक्षणार्थियों को समेकित कृषि

प्रणाली अन्तर्गत इसका महत्व व आय अर्जन के अन्य स्रोत, सब्जी फसलों का चयन, प्रबंधन एवं बीजोत्पादन, मशरूम उत्पादन एवं मधुमक्खी पालन द्वारा आय अर्जन, पशुपालन का महत्व, पशुरोगों की पहचान, उपचार व निदान, विभिन्न उद्यमों का आर्थिक विश्लेषण, केचुआ खाद उत्पादन तकनीकी व प्रयोग, फसलों में खरपतवार प्रबंधन की जानकारी दी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, पटना के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. संजीव कुमार तथा वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. पंकज कुमार ने

किसानों को प्रशिक्षण दिया। केन्द्र के विषय वस्तु विशेषज्ञ डॉ. मान्धाता सिंह व डॉ. देवकरन ने किसानों को फसलों में खरपतवार प्रबंधन, कृषि प्रणाली में आय अर्जन, केचुआ खाद उत्पादन, फसलों एवं फलदार वृक्षों में पोषकतत्व प्रबंधन की जानकारी दी। मो. अफरोज सुल्तान ने वर्ष भर चारा उत्पादन तथा आरिफ परवेज ने समेकित कृषि प्रणाली पर प्रक्षेत्र भ्रमण के दौरान सैद्धांतिक व व्यवहारिक जानकारी दी।

पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतिम दिन प्रशिक्षणार्थियों के बीच



कृषि विज्ञान केंद्र में आयोजित प्रशिक्षण में शामिल किसान।

मशरूम स्पॉन, कृषि यंत्र रेकर एवं प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र का वितरण

एसजेवीएन फाउन्डेशन के एजीएम (सतर्कता) मनोज कुमार किया।

बक्सर भास्कर

राजपार • चौसा • इटादी • इमरांव • चौगाई

इमरांव आसपास

पटना, शनिवार, 01 फरवरी, 2020 | 15

किसानों को कम भूमि में लाभ के साथ रोजगार सृजन कराना हैं प्रशिक्षण का उद्देश्य : एजीएम

सिटी रिपोर्टर | बक्सर

कृषि विज्ञान केंद्र में किसानों के लिए चलाई जा रही 05 दिवसीय कृषक प्रशिक्षण शुरुवार को समाप्त हो गया। अंतिम दिन 'समेकित कृषि प्रणाली' के तहत मत्स्य पालन एवं प्रबंधन, मछलियों के रोग, बीमारियां एवं प्रबंधन, बकरी पालन एवं प्रबंधन, बत्ख पालन व मुर्गीपालन एवं प्रबंधन विषयों की सैद्धांतिक कक्षा का आयोजन किया गया। अंतिम दिन एसजेवीएन फाउन्डेशन के एजीएम (सतर्कता) मनोज कुमार

ने प्रशिक्षणार्थियों को मशरूम स्पॉन, कृषि यंत्र रेकर एवं प्रशिक्षण प्रमाणपत्र का वितरण किया। प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि फाउन्डेशन द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य चौसा में बन रहे थर्मल पावर से प्रभावित खेतिहर किसानों को कम भूमि में कृषि से प्रति इकाई अधिकतम लाभ तथा रोजगार सृजन कराना है। कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी प्रमुख राम केवल, विषय वस्तु विशेषज्ञ डॉ. देव करन एवं डॉ. मान्धाता सिंह, वीर कुंवर सिंह कृषि कॉलेज के सहायक

प्रधानाध्यापक तथा आरा केवीके प्रमुख डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी ने विषयों की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण में पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना से आये प्रधान वैज्ञानिक डॉ. संजीव कुमार तथा वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. पंकज कुमार ने किसानों को प्रशिक्षण दिया तथा केन्द्र के विषय वस्तु विशेषज्ञ डॉ. मान्धाता सिंह व डॉ. देवकरन ने किसानों को फसलों में खरपतवार प्रबंधन, कृषि प्रणाली में आय अर्जन, केचुआ खाद उत्पादन, फसलों एवं फलदार वृक्षों में पोषकतत्व प्रबंधन की जानकारी दी।
